टेलिवीजन चैनलों के सबसे लोकप्रिय आध्यात्मिक वक्ता ब्र.कु. शिवानी बहन के साथ डॉकटरर्स 'पीस फूल माइन्ड एन्ड बिर्ल्सफूल लाईफ' कार्यक्रम में जुडे

अहमदाबाद महानगर में २००० से भी ज्यादा मेडीकल प्रोफेसन के विभिन्न लोगों ने एक दिवसीय मेडीकल कॉन्फरन्स का लाभ लिया

सुख शांति भवन, अहमदाबाद :- ब्रह्माकुमारीज और मेडीकल प्रभाग द्वारा, अहमदाबाद महानगर के मेडीकल प्रोफेसन से जुडे हुए डॉकटर्स भाई-बहनों के लिये गुजरात युनिवसीर्टी के कन्वेनशन एक्सीबीशन हॉल में 'पीस फुल माइन्ड एन्ड बिर्ल्सफूल लाईफ' विषय पर एक दिवसीय मेडीकल कॉन्फरन्स का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य आर्कषण टेलिजीजन चैनलों की स्टार और सबसे लोकप्रिय आध्यात्मिक वक्ता ब्र. कु. शिवानी बहन और दिल्ही के सुप्रसिध्ध कार्डीओलोजीस्ट डॉकटर भ्राता बी. के. मोहित गुप्ताजी थे।

गुजरात जोन के क्षेत्रिय संचालिका राजयोगिनी सरला दीदी, ब्र. कु. शिवानी बहन, कार्डीओलोजीस्ट डॉ. मोहित गुप्ता, माउन्ट आबु मेडीकल वींग के राष्ट्रीय संयोजक भ्राता ब्र. कु. बनारसी भाई, अहमदाबाद मेडीकल एशोसीएशन (AMA) के प्रमुख बहन स्मीता शाह और पूर्व प्रमुख भ्राता विधृत देसाई तथा सेक्रेटरी भ्राता कमलेश सैनी ने कार्यक्रम के शुभारंभ में दिप प्रज्जवलीत कर उद्धाटन किया। राजयोगिनी सरला दीदीजी ने आर्शिवचन दिया। AMA के प्रमुख बहन स्मीता शाह और पूर्व प्रमुख भ्राता विधृत देसाई ने शुभेच्छायें दी।

शिवानी बहन ने अपने विषय -Digital X-Ray of Self & Easy Life for Busy People पर अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि, जब आपके पास हार्ट के ब्लोकेजीस वाले पेशन्ट आते है, तब उन्हें ये बताया जाता है कि आपको ब्लोकेजीस है और आपको बाई पास करवाना है किन्तु अभी आप यह भी जरुर बताये कि, ये ब्लोकेजीस यहाँ दिल में नहीं ये यहाँ आत्मा में पहले ब्लोकेजीस है। उसे खतम करना है। जब पेशन्ट आपके पास आता है तब वो एक तो दर्द में होता है, दुसरा उसको डॉकटर के उपर पूरा ट्रस्ट रहता है और तीसरा वो आपके सामने पूरा सरेन्डर हो जाता है। सभी डॉकटर्स अपने पेन्शन्ट के प्रिसक्रिपशन में यह भी लिखे कि ये दवाईयों के साथ आपको गुस्सा नहीं करना है, शांत रहना है। ऑपररेशन थीयेटर में २ मीनट साइलेन्स में रह कर फीर ऑपरेशन शुरु करे।

उन्हों ने भोजन की शुध्धता के उपर प्रकाश डालते हुये बताया कि - एक होता है रेस्टोरन्ट का खाना, दुसरा है धर में नोकर के हाथ का खाना, तीसरा है धर में माँ के हाथ का खाना और चौथा है मंदिर का प्रसाद खाना। यह चार प्रकार के खाने में अंतर है। रेस्टोरन्ट वाले को धंधा करना है, वो जो भोजन बना रहा है उसके पीछे पैसे कमाने का आशय है। दुसरा धर में नौकर जो खाना पका रहा है वो अपनी नौकरी कर रहा है। तीसरा धर में जो माँ खाना बना रही है वो

उस भाव से बना रही है कि मैं आपने परिवार के लिये भोजन बना रही हुं। और चोथे प्रकार क
मंदिर का भोजन एक प्रसाद है उस भोजन से आत्मा को शक्ति मीलती है।

उन्हों ने दुसरे विषय - BalanceSheet of Life पर अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि, अगर
हमारे विचार, कर्म और व्यवहार अलग अलग होगा तो हमारे जीवन रुपी बेलेन्स शीट भी अलग
अलग बन जायेगी। हमें कीसी की कॉपी नही करनी है, हर एक आत्मा का अपना संस्कार है
अपना पार्ट है। हमें किसी के साथ यह स्पर्धा नही करनी है, कि मुझे इससे आगे जाना है या मुझे
इससे भी अच्छा या बेहतर बनना है, क्योंकि आज आप एक व्यक्ति के आगे जाने कि कोशिश
करेगे, उस एक व्यक्ति से अच्छा परफोर्म करेगे तो फिर दुसरा व्यक्ति भी आपको तुंरत तैयार मिल
जायेगा जो आपको इस स्पर्धा में और आगे जाने के लिये खडा होगा। और इसी रेस में इस
प्रकार से परफोर्म करते जाने से हम आज अपने मूल्यों से नीचे गीरते गये हैं। एक दुसरों से रेस
करने के बजाये हम जहाँ है वहाँ से हम खुद ही आगे बढे। जो आपको आता है वो औरो को सीख
दो तो वो भी आगे बढ जायेगा। आप जो एनर्जी दुसरो को देगे तो वही एनर्जी वापीस आपके पास
आयेगी। अगर आप ब्लेक एनर्जी देगें तो ब्लेक ही आपको वापीस मीलेगी। अगर आप वाईट एनर्जी
भेजेगे तो आप के पास भी वाईट एनर्जी आयेगी। तो जितनी बार हम वाईट एनर्जी भेजेगे उतना
फायदा किसको होगा? हमें ही होगा।

दिल्ही के सुप्रसिध्ध कार्डीओलोजीस्ट डॉ. मोहित गुप्ताजी ने बताया कि, आज मानव सोच
कुछ और रहा है कर कुछ और रहा है। मुझे करना है, मुझे करना है, करना है, मुझे पता है, मुझे
मालुम है। लेकिन बहार का प्रभाव हमें प्रभावित कर जाता है और हम बदल जाते है। हमारा रीमोट
कंट्रोल किसके पास होना चाहीये? हमारे पास होना चाहिये लेकिन हमने औरो के हाथ दे दिया
है। हर व्यक्ति को खुशी, शांति, प्रेम, आनंद चाहिये, वो उसे पसंद है। लेकिन छोटी-छोटी बातों में
हम अपनी खुशी गवाँ देते है। एक अच्छा डॉकटर ये कहेगा कि - I can do this surgery. वो यह नहीं
कहेगा कि Should I do this surgery. Shoul I और Can I में इतना अंतर है। पहले हमारा मन बिमार
होता है फिर शरीर बिमार होता है और जो मेमरी हमारी है वो पास्ट की मेमरी आगे जन्म में भी
चलती है, वो संस्कार भी आगे के जन्म में चलते है। शरीर तो वो खतम हो जाता है लेकिन वो
कोई एन्टीटी है जो साथ चलती है, वो हमारे शरीर से भी ज्यादा शक्तिशाली है। जिसे
कॉन्सीयसनेस कहो, आत्मा कहो, वेल्यु सीस्टम कहो, नूर कहो, एनर्जी कहो।

अहमदाबाद महानगर के २००० से भी ज्यादा डॉकटरो ने पूरे दिन का सत्रों का लाभ
उठाया। मेडीकल वींग गुजरात के संयुक्त क्षेत्रिय संयोजक डॉ. मूकेश पटेल एवम् एज्युकेटीव
मेम्बर डॉ. अंकित पटेल और मेडिकल वींग की पूरी टीम के सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक
संम्पन्न हुआ। फॉलो-अप कार्यक्रम में शहर के विभिन्न सेन्टरो पर डॉकटरर्स राजयोग शिबिर का
लाभ ले रहे है।